

## पीएम को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया जकार्ता, सात जुलाई (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मंगलवार को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' प्रदान किया गया।



इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मोदी को यह पदक प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "आज सुबह, मुझे बहुत स्नेह के साथ इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया गया है। यह सम्मान कोटि-कोटि भारतवासियों का है... इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं का है, भारत और इंडोनेशिया

के ऐतिहासिक और आत्मीय संबंधों का है।" मोदी ने कहा, "मैं राष्ट्रपति प्रबोवो, इंडोनेशिया की सरकार और यहां की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।" 'बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया की एकता, निरंतरता और समृद्धि के लिए असाधारण सेवा की है।

## वायनाड में टैंकर-गाड़ियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी

● लैंडस्लाइड से अब तक 2 लोगों की मौत, कई लोग दबे

वायनाड (एजेंसी)। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल



हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलपुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल

से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों की जरूरत होगी। लगातार बारिश के कारण काम रोक दिया गया था।

यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका - वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, केरल का 43 फीसदी इलाका लैंडस्लाइड प्रभावित है। वायनाड की 51 फीसदी जमीन पर पहाड़ी ढलाने हैं। यानी लैंडस्लाइड की संभावना बहुत ज्यादा बनी रहती है। वायनाड का पठार वेस्टर्न घाट काफ़ी ऊंचाई पर है।

## आदिवासियों ने खुद चंदा कर बना दिया एक सरकारी स्कूल

● 3 साल से सुन रहे थे कोरा आश्वासन, बोले-भाड़ में गया सिस्टम

एमपी के डिंडौरी जिले में सिस्टम की नाकामी की एक अलग तस्वीर

भोपाल। सरकारी दावों और खोखले आश्वासनों से जब मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले के आदिवासियों का सब्र टूट गया, तो उन्होंने सिस्टम के भरोसे बैठना छोड़ दिया। जिले के समनापुर ब्लॉक के एक आदिवासी बहुल गांव में ग्रामीणों ने मिलकर खुद ही अपने बच्चों के लिए स्कूल की इमारत खड़ी करने का फैसला कर लिया।

इसके लिए न केवल फंड जुटाया गया, बल्कि गांव के पुरुष, महिलाएं और बुजुर्ग खुद राजमिस्त्री और मजदूर



बनकर तगाड़ी-फावड़ा उठाए नजर आ रहे हैं। दरअसल, इस आदिवासी टोले में एकमात्र सरकारी प्राथमिक स्कूल था, जिसे स्कूल शिक्षा विभाग ने तीन साल पहले जर्जर और

असुरक्षित घोषित कर जमींदोज कर दिया था। अधिकारियों ने तब जल्द ही नया भवन बनाने का वादा किया था, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी वहां एक ईंट तक नहीं रखी गई।

● प्रशासन को 'गिफ्ट' करेंगे स्कूल- ग्रामीणों का कहना है कि दर्जनों अर्जियां और अफसरों के साथ कई बैठकें बेनतीजा रहने के बाद उन्होंने यह सामूहिक कदम उठाया है। ताज्जुब की बात यह है कि ग्रामीणों ने तय किया है कि वे स्कूल तैयार होने के बाद इसे जिला प्रशासन को गिफ्ट कर देंगे ताकि वहां शिक्षक भेजे जा सकें। उधर, इस पूरे मामले पर जिला परियोजना समन्वयक दिवाकर ने ग्रामीणों के गुस्से को जायज ठहराया।

● केतन अग्रवाल मर्डर केस में सनसनीखेज खुलासा

## सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी चुपके से शादी

● पुलिस सिया गोयल के दो दोस्तों से कर रही है पूछताछ

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चर्चित केतन अग्रवाल मर्डर केस में अब तक सबसे बड़ा खुलासा सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार केतन की मंगेतर सिया गोयल ने चार महीने पहले ही बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी से शादी कर ली थी। केतन की हत्या के आरोप में सिया और चेतन चौधरी जहां जेल में बंद हैं तो वहीं दूसरी ओर पुलिस अब और कड़ियां जोड़ने में जुटी है, ताकि इस मामले को और पुख्ता किया जा सके। पुलिस सिया गोयल के दो कॉलेज दोस्तों से पूछताछ कर रही है। इस मामले की जांच पुणे ग्रामीण पुलिस की लोनावला थाना पुलिस कर रही है। जांच को एसपी ग्रामीण खुद सुपरवाइज कर रहे हैं। केतन के पिता के आग्रह पर सरकार ने



इस मामले में उज्जवल निकम को सरकारी वकील नियुक्त किया है। केतन अग्रवाल केस में नया ट्रिवस्ट-पुलिस सूत्रों के अनुसार इन दोस्तों ने कथित तौर पर मैरिज रजिस्ट्री के लिए गवाह के तौर पर दस्तखत किए थे। सूत्रों का कहना है कि पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल

से सगाई के बाद सिया गोयल ने अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी से चुपके से शादी कर ली थी। 20 साल की सिया गोयल और 25 साल की अग्रवाल की शादी नवंबर में तय हुई थी। 18 जून को पुणे के लोहागढ़ किले से गिरने के कारण केतन अग्रवाल की मौत हो गई थी।

● इंस्टाग्राम पर रखी थी शादी की तस्वीर!- पुणे के बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की मुलाकात सिया गोयल से परिवार के जरिए हुई थी और फरवरी में उनकी सगाई हुई थी। नवंबर में शानदार शादी के लिए उदयपुर में एक होटल बुक किया गया था। पुलिस की टेबिनकल टीम ने एक प्राइवेट इंस्टाग्राम अकाउंट से डिलीट की गई फोटो रिकवर करने की कोशिश कर रही है, जिसमें कथित तौर पर आरोपी जोड़े को शादी की माला पहने हुए दिखाया गया था। पुलिस चौधरी के बैंक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। पुलिस को जानकारी मिली है कि उसने सीक्रेट शादी को जल्दी निपटाने के लिए जरूरी पब्लिक नोटिस से बचने के लिए किसी बिचौलिए को पैसे दिए थे।

## तेलंगाना में पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

● पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था, छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला।



## भोपाल में इलेक्ट्रीशियन ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

दो भाइयों के साथ आनंदनगर में रहता था, परिवार को भी नहीं पता कारण

भोपाल। भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र के आनंद नगर इलाके में 26 साल के इलेक्ट्रीशियन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना सोमवार शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच की है। मृतक का नाम सोनू सोनी है। सबसे पहले बड़े भाई उत्तम सोनी ने उसे फंदे पर लटका देखा था। परिजनों के अनुसार आत्महत्या के कारणों की फिलहाल जानकारी नहीं है। परिजनों के मुताबिक युवक को पहले पटेल नगर स्थित गायत्री हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल लाया गया।



सोनू सोनी, मृतक

### बचपन में ही हो गया था माता-पिता का निधन

उसने 9वीं तक पढ़ाई की थी। बचपन में ही उसके माता-पिता का निधन हो गया था। वह अपने दोनों भाइयों के साथ आनंद नगर में रहता था। परिजनों का कहना है कि उन्हें आत्महत्या की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं मामले में पिपलानी थाने के प्रभारी का कहना है कि मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## धानगली में 'सुलभ' पर बुलडोजर! दो व्यापारियों पर शौचालय तोड़ने का आरोप, व्यापारियों का फूटा गुस्सा

इंदौर। शहर के व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र धान गली में वर्षों पुराने सार्वजनिक शौचालय को तोड़ जाने के मामले ने सोमवार को बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। पूरे इलाके के व्यापारियों ने इसे सुविधा पर हमला बताते हुए जमकर हंगामा किया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामला इतना बढ़ा कि पार्षद, नगर निगम अधिकारियों और पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 69 स्थित शिरोमणि मार्केट के पास नगर निगम द्वारा वर्ष 1990 में बनाया गया सार्वजनिक शौचालय रविवार को ध्वस्त कर दिया गया। यह पूरे क्षेत्र का एकमात्र शौचालय था, जिसका उपयोग प्रतिदिन बड़ी संख्या में व्यापारी और कर्मचारी करते थे। सोमवार सुबह जब व्यापारी दुकानें खोलने पहुंचे तो शौचालय मलबे में तब्दील मिला। इसके बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर जमा हो गए। व्यापारियों का कहना है कि पहले ही बाजार क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, ऐसे में एकमात्र सार्वजनिक शौचालय को तोड़ दिया जाना गंभीर लापरवाही और मनमानी का उदाहरण है। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर किसकी अनुमति से निगम की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और जिम्मेदारों पर अब तक सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

## राज्य सरकार ने फिर लिया 3600 करोड़ रुपए का कर्ज

18 साल और 30 वर्ष में चुकाएंगे लोन, 5 लाख 6114 करोड़ पहुंचा राज्य सरकार पर कर्ज

भोपाल। मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने मंगलवार को बाजार से 3,600 करोड़ रुपए का नया कर्ज उठाया है। यह राशि दो अलग-अलग किश्तों में 18 वर्ष और 30 वर्ष की अवधि के लिए जुटाई गई है। इस नई उधारी के बाद चालू वित्त वर्ष में राज्य सरकार द्वारा लिया गया कुल कर्ज 17,400 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि प्रदेश पर कुल देनदारी बढ़कर करीब 5.6114 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह राशि बॉन्ड जारी कर और सरकारी प्रतिभूतियों (सिक्क्योरिटीज) की नीलामी के माध्यम से जुटाई जाएगी। ऋण की राशि का उपयोग राज्य में उत्पादक विकास कार्यक्रमों और विभिन्न सार्वजनिक विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। इस उधारी के लिए केंद्र सरकार से आवश्यक स्वीकृति भी प्राप्त कर ली गई है।



### विकास कार्यों पर खर्च होगा ऋण

राज्य सरकार का कहना है कि इस ऋण का उपयोग सिंचाई, कृषि, ऊर्जा, सड़क, संचार, पेयजल, सहकारी संस्थाओं के विकास और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए किया जाएगा। सरकार ने यह भी दावा किया है कि राज्य की परिसंपत्तियों का मूल्य उसकी कुल देनदारियों से अधिक है, जिससे वित्तीय स्थिति संतुलित बनी हुई है।

### 18 और 30 वर्ष की अवधि के लिए लिया गया ऋण

अधिसूचना के मुताबिक, पहली किश्त 1,600 करोड़ रुपए की है, जिसे 18 वर्ष की अवधि के लिए लिया गया है। इस पर ब्याज का भुगतान निर्धारित अवधि तक प्रत्येक वर्ष किया जाएगा। दूसरी किश्त 2,000 करोड़ रुपए की है, जिसकी परिपक्वता अवधि वर्ष 2056 तक रहेगी। दोनों ऋणों पर राज्य सरकार 7.90 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर का भुगतान करेगी। ब्याज का भुगतान प्रत्येक वर्ष 15 अप्रैल और 15 अक्टूबर को किया जाएगा, जबकि ऋण राशि का भुगतान बुधवार को होगा।

### ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के जरिए हुई नीलामी

राजपत्र के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ई-कुबेर प्रणाली के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी आयोजित की गई, जिसमें पात्र और संस्थागत निवेशकों ने भाग लिया। गैर-प्रतिस्पर्धी निवेशकों के लिए भी निर्धारित सीमा तक निवेश की सुविधा उपलब्ध कराई गई। सरकार के अनुसार, 31 मार्च 2026 की स्थिति में मध्यप्रदेश पर कुल 4,88,714.17 करोड़ रुपए का ऋण था। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा 3,33,278.21 करोड़ रुपए के मार्केट लोन का है। इसके अलावा वित्तीय संस्थानों, केंद्र सरकार, राष्ट्रीय लघु बचत निधि और अन्य स्रोतों से लिए गए ऋण भी कुल देनदारियों में शामिल हैं।

## महिलाओं की बात सुन सिर पकड़कर बैठ गए डिप्टी कलेक्टर

विधवा महिलाओं की लिस्ट थमाई, बोली- जहरीली शराब से पति और बच्चे मर गए

निवाड़ी। निवाड़ी जनसुनवाई के दौरान महिलाओं की बात सुन डिप्टी कलेक्टर सिर पर हाथ रखकर बैठ गए। महिलाओं ने उन्हें शिकायती आवेदन के साथ उन महिलाओं की लिस्ट थमा दी, जिनके पति और बेटों की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। यह शिकायत निवाड़ी जिले की चुरारा ग्राम पंचायत से आई है। गांव की लगभग दो दर्जन महिलाएं डिप्टी कलेक्टर अनिल तलैया के सामने जनसुनवाई में पहुंचीं और प्रशासन से गांव में शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध शराब खुलेआम बेची जा रही है। महिलाओं ने बताया कि इस शराब के सेवन से कई लोगों की मौत हो चुकी है और अनेक परिवार बिखर गए हैं। उनका दावा है कि उनके पति शराब की लत और कथित जहरीली शराब के कारण असमय काल का शिकार हुए। इसके चलते कई महिलाएं विधवा हो गईं और उनके बच्चों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।



### विधवा हुई महिलाओं की लिस्ट दी

जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने जहरीली शराब की बिक्री रोकने के साथ-साथ लगभग डेढ़ दर्जन विधवा महिलाओं की सूची भी प्रस्तुत की। शिकायत में शांति, जयंती, ललती, रामपत सुखवाती, पार्वती, गोमा, लाडकुंवर लक्ष्मी, कुसुमा, मालती, रामदेवी, गोरा, सली, सोमवती, रचना, करिश्मा और सुरेश सहित कई महिलाओं के नाम शामिल हैं, जिनके पति जहरीली शराब के कारण असमय मृत्यु को प्राप्त हुए। इन महिलाओं ने कलेक्टर जमुना भिड़े से अपने परिवारों के भरण-पोषण के लिए कोई काम या रोजगार उपलब्ध कराने की भी मांग की है, ताकि उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

### 400 कमाने वाले 300 की पी रहे जहरीली शराब

विधवा जयंती आदिवासी का कहना है कि पति शराब के कारण खत्म हो गए। दो लड़के और दो लड़कियां हैं सास विकलांग हैं। दोनों लड़के भी शराब पीने लगे हैं। गौमा आदिवासी ने बताया कि उसके पति शराब के कारण खत्म हो गए। बेटा भी शराब के कारण खत्म हो गया है। अब दो नाती हैं जिनका पालन करने वाला भी कोई नहीं है। घर में कोई कमाने वाला भी नहीं है और उन्हें भी काम नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि घर का भरण पोषण कैसे हो यह समस्या उनके सामने गंभीर है। महिलाओं का कहना है कि यूरिया खाद एवं केमिकल से जहरीली शराब बनाते हैं और दिनभर खुले आम शराब बेचते हैं जिसके कारण एक बार पीने वाले लोग दिन में चार बार शराब पीने लगे हैं। दिन भर में 400 कमाते हैं और 300 की शराब पी लेते हैं, जिसके कारण गांव में असमय मौतें हो रही हैं और परिवार के परिवार उजड़ते जा रहे हैं। बहरहाल अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करता है।

## जनसुनवाई में जरूरतमंदों को मिली राहत, प्रशासन बना आमजन का सहारा

दिव्यांग बालिका की शिक्षा की हुई राह आसान इलाज से लेकर शिक्षा तक प्रशासन ने बढ़ाया मदद का हाथ कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता से सुनी समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

### राजेश धाकड़

इंदौर कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न



आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की। जनसुनवाई में पहुंची दिव्यांग छात्रा सुश्री पूजा ने बताया कि उन्होंने बीएसडब्ल्यू (BSW) में 9.8 सीजीपीए के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा वर्तमान में एमएसडब्ल्यू (MSW) की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा जारी रखने में आर्थिक कठिनाइयों की जानकारी कलेक्टर श्री वर्मा को दी। छात्रा की



प्रतिभा और शिक्षा के प्रति समर्पण को देखते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने उसकी उच्च शिक्षा में सहयोग के लिए 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए तथा उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। जनसुनवाई में दिव्यांग दंपती अपनी पुत्री वैष्णवी रायकवार के साथ पहुंचे। उन्होंने पिछली जनसुनवाई में प्रशासन द्वारा मिली सहायता के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। दंपती ने अपनी पुत्री के भविष्य एवं शिक्षा के लिए सहयोग का अनुरोध

किया, जिस पर कलेक्टर श्री वर्मा ने आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के त्वरित निर्देश दिए। सहायता मिलने पर दंपती ने जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रशासन के सहयोग से उन्हें अपनी बेटी के भविष्य को लेकर नया विश्वास मिला है। एक अन्य प्रकरण में श्री सुधीर माधवानी जनसुनवाई में पहुंचे और उन्होंने बताया कि वे थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता एवं उनके उपचार की व्यवस्था में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उपचार व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा मिल सके। कलेक्टर

कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिकेश वैश्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

## शिवपुरी: जनसुनवाई के दौरान महिला ने पेट्रोल डालकर किया आत्मदाह का प्रयास, पारिवारिक विवाद से परेशान होने का लगाया आरोप



### अभि गोस्वामी

शिवपुरी: मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित 'जनसुनवाई' के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक महिला ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। महिला का आरोप है कि वह अपने ससुराल वालों द्वारा पिछले तीन वर्षों से प्रताड़ित की जा रही है और पुलिस में शिकायत के बावजूद उसे कोई न्याय नहीं मिला। घटना का विवरण- वीडियो में महिला को आपबीती सुनाते हुए देखा जा सकता है। महिला का आरोप है कि उसके ससुराल पक्ष के लोग (देवर, ननद और सास) उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके साथ मारपीट की गई, उसके पैसे छीने गए और उसे घर से निकालने की धमकी दी जा रही है। महिला ने क्या कहा?

पीड़ित महिला ने बताया:

लंबे समय से प्रताड़ना: महिला का दावा है कि पिछले तीन सालों से वह अपने ससुराल पक्ष की प्रताड़ना का शिकार हो रही है।

आर्थिक शोषण: महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उससे 1 लाख रुपये छीन लिए हैं और उसके निजी सामान पर भी कब्जा कर लिया है।

पुलिस निष्क्रियता: महिला का कहना है कि उसने पहले भी स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन वहां से उसे कोई राहत नहीं मिली, जिसके बाद वह हारकर कंट्रोल रूम जनसुनवाई में पहुंची।

आगे की कार्यवाई-महिला के साथ मौजूद व्यक्ति ने भी इन आरोपों की पुष्टि करते हुए कहा कि वे लंबे समय से न्याय के लिए भटक रहे हैं। घटना के बाद से ही क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या पीड़िता को समय रहते न्याय मिल पाता है।

## जनसुनवाई में कलेक्टर ने धैर्यपूर्वक सुनीं 97 आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

### नवल किशोर

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा- शिकायतों के निराकरण के प्रति बनें जवाबदेह

कटनी। जिले के आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिला प्रशासन का संवेदनशील और जनहितैषी स्वरूप देखने को मिला। जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 97 आवेदकों ने अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के समक्ष



रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की बात पूरी गंभीरता, धैर्य और संवेदनशीलता से सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि बारिश, रिमझिम फुहारों और तेजी

से चल रहे खेती-किसानी के महत्वपूर्ण कार्य से समय निकालकर यहां पहुंचे प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और निराकृत करें। जनसुनवाई शासन और जनता के बीच विश्वास का सबसे प्रभावी माध्यम है। यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति न्याय और समाधान की आशा लेकर आता है, इसलिए सभी अधिकारी प्रत्येक आवेदन को पूरी संवेदनशीलता, जवाबदेही और गंभीरता के साथ लें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर श्री जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी श्री प्रमोद चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोक सेवा श्री दिनेश विश्वकर्मा

सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए, जबकि अन्य प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई। जनसुनवाई में सर्वाधिक आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुए।

इनमें भूमि विवाद, सीमांकन, नामांतरण, भूमि आवंटन, अतिक्रमण हटाने, नक्शा सुधार एवं अन्य राजस्व प्रकरण प्रमुख रहे। वहीं विद्युत विभाग से बिजली बिलों में त्रुटि सुधार, बंद मीटर, जर्जर एवं लटकते विद्युत तारों से दुर्घटना की आशंका संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पशुपालन विभाग के अंतर्गत गौशाला निर्माण, शिक्षा विभाग में छात्रावास निर्माण, समग्र आईडी को आधार से लिंक कराने सहित विभिन्न विभागों से जुड़े अनेक जनहित के मामलों पर भी आवेदकों ने अपनी समस्याएं रखीं। कलेक्टर श्री तिवारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का तथ्यों के आधार पर परीक्षण कर प्राथमिकता से कार्यवाई की जाए तथा निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक अधिकारी अपने विभाग में लंबित प्रकरणों की सतत समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत और न्याय मिले। जनसुनवाई के दौरान जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता परिलक्षित हुई। वहीं कलेक्टर श्री तिवारी ने अफसरों को ताकीद किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## सहजयोग में ध्यान, धारणा और समाधि का आध्यात्मिक महत्व



सहजयोग आत्मसाक्षात्कार के पश्चात आरम्भ होने वाली एक सहज, जीवंत और अनुभव-आधारित आध्यात्मिक साधना है, जिसका उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप अर्थात् आत्मा से परिचित कराना है। सहजयोग के अनुसार आध्यात्मिक यात्रा का प्रारम्भ ध्यान (ध्यानावस्था) से होता है। ध्यान वह अवस्था है जिसमें साधक अपनी चेतना को बाह्य विषयों से हटाकर अपने भीतर स्थित आत्मा और सर्वव्यापी परम चैतन्य पर केंद्रित करता है। यह यात्रा पूर्णतः व्यक्तिगत और आंतरिक होती है। इस मार्ग पर प्रत्येक साधक को स्वयं अपने भीतर उतरना पड़ता है, क्योंकि आत्मानुभूति किसी दूसरे के माध्यम से प्राप्त नहीं की जा सकती। जब साधक नियमित रूप से ध्यान करता है और उसकी जागरूकता निर्विचार अवस्था में स्थिर होने लगती है, तब उसके भीतर गहन शांति, संतुलन और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ध्यान के निरंतर अभ्यास से साधक का चित्त अधिक स्थिर और एकाग्र होकर धारणा की अवस्था में प्रवेश करता है। धारणा वह स्थिति है जिसमें मन बार-बार भटकने के स्थान पर सहज रूप से आत्मा और परमात्मा पर स्थित रहता है। इस अवस्था में साधक का सूक्ष्म तंत्र अधिक संतुलित होने लगता है तथा उसके विचार, वाणी और कर्म में पवित्रता एवं विवेक का समावेश होने लगता है। धीरे-धीरे उसका दृष्टिकोण सीमित स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवता और समष्टि कल्याण की ओर अग्रसर होता है। जब यह एकाग्रता पूर्ण परिपक्वता प्राप्त कर लेती है, तब साधक समाधि की अवस्था का

अनुभव करता है। समाधि केवल गहन ध्यान की अवस्था नहीं, बल्कि परम चेतना के साथ एकात्म होने का जीवंत अनुभव है। इस अवस्था में साधक निर्विचार जागरूकता में स्थित रहता है और उसे अनुभव होने लगता है कि उसके प्रत्येक विचार, निर्णय और कर्म में दिव्य शक्ति का मार्गदर्शन विद्यमान है। उसका अहंकार और आसक्ति क्षीण होने लगते हैं तथा प्रेम, करुणा, क्षमा, विनम्रता और आनंद जैसे दिव्य गुण स्वाभाविक रूप से प्रकट होने लगते हैं। सहजयोग यह भी सिखाता है कि ध्यान की गहराई ही आध्यात्मिक अनुभवों की गहराई निर्धारित करती है। जिस प्रकार गहरे पात्र में अधिक जल समा सकता है, उसी प्रकार जो साधक नियमित, ईमानदारी और समर्पण के साथ ध्यान करता है, उसकी चेतना उतनी ही अधिक विस्तृत और निर्मल होती जाती है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात जागृत कुण्डलिनी शक्ति साधक के सूक्ष्म तंत्र का पोषण करती है और उसे निर्विचार जागरूकता में स्थापित करती है।

परिणामस्वरूप वह सम्पूर्ण विश्व को अपना परिवार मानने लगता है और प्रत्येक जीव में परमात्मा का प्रतिबिंब देखने लगता है। इस प्रकार ध्यान, धारणा और समाधि सहजयोग के तीन क्रमिक आयाम हैं, जो साधक को आत्मज्ञान, आंतरिक शांति, दिव्य आनंद और परमात्मा के साथ एकत्व की सर्वोच्च अनुभूति तक पहुंचाते हैं। अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा [www.sahajayoga.org.in](http://www.sahajayoga.org.in) से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग सदैव निःशुल्क है।

## पिपरोध जैन मंदिर में चोरी दानपेटी से उड़ाए नगदी

नवल किशोर

कटनी। पिपरोध से एक बड़ी खबर सामने आई बीती रात अज्ञात चोरों ने सुप्रसिद्ध जैन मंदिर को अपना निशाना बनाने की कोशिश की।

राहत की बात यह है कि मंदिर में स्थापित सभी पवित्र जैन प्रतिमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और चोर मुख्य गर्भगृह में घुसने में नाकाम रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शांति चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार और गर्भगृह का ताला तोड़ने का काफी प्रयास किया। चोरों द्वारा किए गए प्रहार से ताला पूरी तरह टूटा हो गया, लेकिन वह टूट नहीं सका। ताला



मजबूत होने के कारण चोर मंदिर के मुख्य हिस्से में दाखिल नहीं हो पाए,

जिससे एक बड़ी वारदात होने से टल गई। मुख्य मंदिर के अंदर जाने में असफल रहने के बाद चोरों ने परिसर में रखी गुप्त दानपेटियों पर हाथ साफ किया।

बताया जा रहा है कि चोरों ने दानपेटियों के ताले तोड़कर उसमें जमा की गई लगभग 80,000 से 90,000 की अनुमानित नगद राशि चोरी कर ली और मौके से रफूचककर हो गए। सुबह जब मंदिर के सेवादार और स्थानीय श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, तब उन्हें इस चोरी के प्रयास का पता चला। घटना के बाद से स्थानीय जैन समाज और ग्रामीणों में रोष है।

## हरदुआ रेलवे स्टेशन केआउटर पर अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी, GRP ने शुरू की जांच



नवल किशोर

कटनी। रेलवे स्टेशन के हरदुआ आउटर क्षेत्र में सोमवार तड़के एक अज्ञात युवक का शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन और पुलिस महकमे में सक्रियता जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे स्टेशन मास्टर को ट्रैक के किनारे शव होने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद रेलवे सुरक्षा बल और शासकीय रेलवे पुलिस को मामले से अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही GRP और RPF की टीमों तत्काल मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्यवाही पूरी की और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

मर्ग कायम: GRP पुलिस ने अज्ञात मृतक का मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

पहचान की कोशिश: मृतक की शिनाख्त के लिए आसपास के ग्रामीण और रेलवे क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है।

पोस्टमार्टम का इंतजार: फिलहाल युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, इसका खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

GRP कटनी की आमजन से अपील- “यदि किसी भी व्यक्ति को मृतक के संबंध में कोई भी जानकारी या सुराग मिले, तो वह तत्काल GRP कटनी से संपर्क करे, ताकि मृतक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचित किया जा सके।”

## विजयराघवगढ़ विधानसभा के किसानों के लिए खुशखबरी! नहीं होगी अब खाद की कमी

बरही 1 हजार टन क्षमता वाले खाद भंडारण केंद्र का विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने वर्चुअल शुभारंभ



बरही। विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक जी के सार्थक प्रयासों बाद विपणन संघ के खाद विपरण केन्द्र का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक द्वारा वर्चुअल रूप से किया गया। इस विपरण केन्द्र के प्रारंभ होने से बरही व विजयराघवगढ़ क्षेत्र के किसानों को अब उचित मूल्य पर समय पर उर्वरक खाद उपलब्ध हो सकेगा। बरही के कृषि उपज मंडी परिसर में बने इस भंडारण केन्द्र में विधानसभा के लिए 1 हजार टन यूरिया, डीएपी (DAP), और एनपीके (NPK) जैसे उर्वरक सुचारू और पारदर्शी रूप से भंडारण रहेगा। विधायक श्री संजय सत्येन्द्र पाठक जी ने वर्चुअल माध्यम से क्षेत्रवासियों एवं किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल है। विधानसभा क्षेत्र में किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराने एवं कृषि व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी किसान भाईयों को प्राप्त हुई इस उपलब्धि के लिए मैं सभी को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं देता हूँ। इस केंद्र के प्रारंभ होने से किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता सरलता से होगी तथा खाद के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में किसानों के हित में इस केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ एवं निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला खाद प्रभारी एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा किसानों को खाद की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष लालजी मिश्रा, पूर्व भाजपा जिला महामंत्री सतीश तिवारी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष उदयरज सिंह चौहान, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष तीरथ पटेल, मंडल अध्यक्ष अरुण पटेल, जिला मंत्री राजेश पटेल, सरमन सोनी, पी. डी. ताम्रकार, मनोज रावत, वीरेंद्र जायसवाल, राजा बागरी, मातृशक्ति ज्योति उपाध्याय, मीनाक्षी तिवारी, पवन जायसवाल, दीपक प्रजापति, अशोक विश्वकर्मा, सोहन यादव, जिला खाद प्रभारी आनंद पांडे, शिव मारको सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित रहे।

# निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ चाका मार्ग का मैदानी निरीक्षण कर परखी शहर की व्यवस्थाएं

नवल किशोर

## सुरक्षित आवागमन, बेहतर नागरिक सुविधाएं और हरित विकास पर निगमायुक्त का जोर

कटनी। शहर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं हरित स्वरूप प्रदान करने की दिशा में नगर पालिक निगम द्वारा लगातार मैदानी स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार प्रातः निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा निगम अधिकारियों के साथ बस से चाका मुख्य मार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया तथा नागरिक सुविधाओं, सुरक्षित आवागमन, प्रकाश व्यवस्था, डिवाइडर मरम्मत, जल निकासी, अतिक्रमण नियंत्रण एवं पौधारोपण से जुड़े विभिन्न कार्यों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री सर्व श्री सुनील सिंह, आदेश जैन, उपयंत्री पवन श्रीवास्तव, मोना करेरा, निशांत कनौजिया, अभिषेक अरजरिया सहित निगम की अन्य शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।



### संबंधित विभाग से समन्वय कर, करें आवश्यक कार्यवाही

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने नगर निगम सीमा चाका प्रवेश मार्ग के आगे स्थित विजयराघवगढ़ मोड़ के पास स्थल का निरीक्षण कर वाहन चालकों एवं नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम अधिकारियों को संबंधित विभाग से पत्राचार कर समन्वय स्थापित करते हुए स्थल के दोनों ओर का अतिक्रमण हटाने, यातायात संबंधी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के साथ ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था विकसित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जाकर आवागमन को

सुरक्षित बनाया जा सके।

### क्षतिग्रस्त डिवाइडरों की कराए मरम्मत

शहर के सौंदर्यीकरण एवं सुरक्षित यातायात को गति देने के उद्देश्य से निगमायुक्त ने बस स्टैंड से कुठला नगर निगम सीमा तक रोड़ के मध्य स्थापित डिवाइडरों एवं उनकी क्षतिग्रस्त जालियों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। साथ ही डिवाइडरों में लगाए गए पौधों के संरक्षण के लिए स्थाई सिंचाई व्यवस्था विकसित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश सहायक यंत्री आदेश जैन को दिए।

### अतिक्रमण चिन्हित कर करें कार्यवाही

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त सुश्री परिहार ने ट्रांसपोर्ट नगर के सामने एवं बस स्टैंड से कुठला प्रवेश मुख्य मार्ग के किनारे के दोनों ओर स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमणों को चिन्हित कर नियमानुसार नोटिस जारी करते हुए उन्हें हटाने की कार्यवाही के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने वर्षा ऋतु में प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुरूप मार्ग किनारे से नाला निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने, पोल पर लगे विज्ञापनों को व्यवस्थित करने तथा ट्रांसपोर्ट नगर प्रवेश द्वार के

पास दिशा-सूचक बोर्ड स्थापित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

### पुलियों की कराए मरम्मत

सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त ने पुरानी स्थित पुरानी प्राइवेट सब्जी मंडी एवं पन्ना मोड़ स्थित मंदिर के समीप स्थित क्षतिग्रस्त पुलियों की शीघ्र मरम्मत कराने तथा आवश्यक चेतावनी एवं सूचना संकेतक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही काली माता मंदिर के सामने बने स्पीड ब्रेकर की मरम्मत कराने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

### चलाएं पौधारोपण अभियान

पर्यावरण संरक्षण एवं शहर को हरित स्वरूप प्रदान करने की मंशा के अनुरूप निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने मुख्य मार्ग के डिवाइडरों तथा सड़क किनारे उपलब्ध रिक्त स्थलों पर व्यापक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकसित एवं संरक्षित हरित क्षेत्र न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## महापौर जनसुनवाई में नागरिकों ने रखी समस्याएं, मौके पर दिए गए त्वरित निराकरण के निर्देश एक ही मंच पर विभिन्न शाखाओं की मौजूदगी से शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया हुई सरल और प्रभावी



नवल किशोर

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के समक्ष प्रस्तुत कीं। पेयजल, सड़क, स्वच्छता, नाली, राजस्व एवं अतिक्रमण सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई करते हुए महापौर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनी। जनसुनवाई के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने प्रत्येक आवेदकों की समस्या गंभीरता से सुनी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक ही स्थान पर विभिन्न शाखाओं के अधिकारी रहे मौजूद-जनसुनवाई में नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। इससे नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़े और कई मामलों में तत्काल आवश्यक निर्देश जारी कर समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। गंभीर एवं प्राथमिकता वाले प्रकरणों को चिन्हित कर उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

महापौर ने नागरिकों से की सहभागिता की अपील-महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रत्येक मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं सीधे नगर निगम के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है तथा नगर निगम नागरिकों को बेहतर एवं जवाबदेह सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

## अल्पसंख्यक नेतृत्व को मजबूत करने की मांग, सांसद इमरान प्रतापगढ़ी से मिला प्रतिनिधिमंडल



अधि गोस्वामी

दिल्ली। मध्यप्रदेश में अल्पसंख्यकों की मौजूदा स्थिति और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर कांग्रेस नेता हुमैद शकील के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में अखिल भारतीय अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता, मुस्लिम उलेमा और समाजसेवी भी शामिल रहे।

बैठक में प्रदेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुस्लिम समाज के घटते राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर विस्तार से चर्चा हुई। हुमैद शकील ने कहा कि यदि पार्टी सभी वंचित और पीड़ित वर्गों को न्याय दिलाना चाहती है, तो उन्हें संगठन और नेतृत्व में उचित प्रतिनिधित्व एवं जिम्मेदारियां देना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने इमरान प्रतापगढ़ी को बताया कि मध्यप्रदेश में अल्पसंख्यक समाज के नेतृत्व की

स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। मुस्लिम उलेमाओं ने भी कहा कि समाज की समस्याओं और आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने वाला नेतृत्व प्रदेश में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि वर्तमान परिस्थितियों में अल्पसंख्यक समाज को ऐसा नेतृत्व मिलना चाहिए, जो उनकी समस्याओं को समझने के साथ उन्हें प्रभावी तरीके से संगठन और सार्वजनिक मंचों पर उठा सके। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जिस तरह राहुल गांधी और इमरान प्रतापगढ़ी देशभर में अल्पसंख्यकों, वंचितों और कमजोर वर्गों के मुद्दे उठा रहे हैं, उसी प्रकार मध्यप्रदेश में भी समर्पित, जमीनी और निर्भीक नेतृत्व को आगे लाने की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया कि प्रदेश में ऐसे प्रतिबद्ध नेताओं को जिम्मेदारी दी जाए, जो अल्पसंख्यक समाज को संगठित करने के साथ कांग्रेस संगठन को भी नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान कर सकें।

## बाबा लखीशाह बंजारा जी की 448वीं जयंती पर इंदौर में राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन संपन्न

राजेश धाकड़

इंदौर। समाज सुधारक, महान योद्धा एवं लोकनायक बाबा लखीशाह बंजारा जी की 448वीं जयंती के पावन अवसर पर इंदौर में एक भव्य “राष्ट्रीय संगोष्ठी” का सफल आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल बाबा लखीशाह बंजारा जी के जीवन एवं योगदान का स्मरण नहीं था, बल्कि उनके आदर्शों, त्याग, बलिदान, शिक्षा, सामाजिक समरसता और स्वाभिमान के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रेरणादायी संकल्प भी था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जतुथ हुसैन नायक जी, सदस्य, केंद्रीय जनजाति बोर्ड, भारत सरकार तथा श्री रामेश्वर नायक जी, मुख्यमंत्री सहायता कोष प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों अतिथियों ने समाज के सर्वांगीण विकास, शिक्षा और संगठन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए युवाओं को समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री अशोक पवार जी ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी उद्बोधन में बाबा लखीशाह बंजारा जी के आदर्शों को आत्मसात करने तथा शिक्षा, एकता और स्वाभिमान के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री



श्रवण कुमार जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, बंजारा क्रांति दल, डॉ. अनुराग द्विवेदी जी, सहायक कुलसचिव, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर तथा प्रो. सखाराम मुजाल्दे जी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, जनजाति अध्ययनशाला, इंदौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने अपने विचारों से कार्यक्रम को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान की।

कार्यक्रम में परम पूज्य राधे चैतन्य महाराज की गरिमामयी एवं आशीर्वादपूर्ण उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उनके प्रेरणादायी संदेश ने उपस्थित समाजजनों में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक एकता और संस्कारों के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन स्कूल ऑफ ट्राइबल स्टडीज, मार्गदर्शन घुमंतू कार्य मालवा प्रांत, सहायत्री संस्था बंजारा युवा शक्ति मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजकों, समाज के

वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं सभी सहयोगियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बाबा लखीशाह बंजारा जी का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा, संघर्ष और समाज उत्थान के लिए समर्पित रहा। आज आवश्यकता है कि समाज उनकी शिक्षाओं को अपनाते हुए शिक्षा, संगठन, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़े।

यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, समाज बंधुओं, मातृशक्ति, युवा साथियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सभी शुभचिंतकों के प्रति हृदय की गहराइयों से कोटि-कोटि आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया तथा समाज से बाबा लखीशाह बंजारा जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

## नकद लेन-देन में लापरवाही पड़ सकती है भारी, जानिए आयकर के 8 जरूरी नियम



नई दिल्ली। यदि आप बड़े पैमाने पर नकद लेन-देन करते हैं, तो सावधान हो जाइए। आयकर कानून में नकद भुगतान, नकद प्राप्ति, संपत्ति खरीद-बिक्री और ऋण संबंधी कई सख्त प्रावधान हैं। निर्धारित सीमा से अधिक नकद लेन-देन करने पर भारी जुर्माना, आयकर जांच और अन्य कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक करदाता के लिए इन नियमों की जानकारी आवश्यक है।

### आयकर से जुड़े 8 महत्वपूर्ण नियम

एक दिन में 2 लाख रुपये या उससे अधिक नकद प्राप्त करना प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन होने पर प्राप्त राशि के बराबर तक जुर्माना लगाया जा सकता है। व्यवसाय में 10 हजार रुपये से अधिक का नकद खर्च सामान्यतः कर लाभ के लिए स्वीकार नहीं किया जाता।

अचल संपत्ति के लेन-देन में 20 हजार रुपये या उससे अधिक का अग्रिम या अन्य राशि नकद लेने-देने पर प्रतिबंध है। 20 हजार रुपये या उससे अधिक का ऋण या जमा राशि नकद लेना या लौटाना नियमों के विरुद्ध हो सकता है। 50 हजार रुपये या उससे अधिक के बैंकिंग लेन-देन में पहचान संबंधी दस्तावेजों की आवश्यकता हो सकती है। उच्च मूल्य के नकद लेन-देन की जानकारी बैंक और अन्य संस्थाएं आयकर विभाग को उपलब्ध करा सकती हैं। व्यवसायियों को निर्धारित सीमा से अधिक नकद लेन-देन का सही लेखा-जोखा रखना आवश्यक है। डिजिटल भुगतान और बैंकिंग माध्यमों का उपयोग कर रिकॉर्ड सुरक्षित रखना भविष्य में कर संबंधी विवादों से बचाता है। कर विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश बड़े भुगतान बैंक, चेक, डिमांड ड्राफ्ट या अन्य डिजिटल माध्यमों से करना अधिक सुरक्षित और पारदर्शी रहता है। किसी भी बड़े वित्तीय लेन-देन से पहले कर सलाहकार या चार्टर्ड अकाउंटेंट से परामर्श लेना उचित है, ताकि अनजाने में नियमों का उल्लंघन न हो और अनावश्यक जुर्माने से बचा जा सके।

# NSE का मेगा IPO नए मोड़ पर

को-लोकेशन विवाद, सेबी की सख्ती और 1.1 लाख करोड़ के नुकसान ने बढ़ाई चुनौती

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े शेयर बाजार एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का करीब 30,000 करोड़ रुपये का प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा शेयर इश्यू माना जा रहा है। लगभग एक दशक तक विभिन्न नियामकीय और कानूनी अड़चनों में फंसे रहने के बाद अब यह आईपीओ फिर से अंतिम चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है।

हालांकि, जिस समय एनएसई लिस्टिंग की तैयारी कर रहा है, उसी समय सेबी द्वारा डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग पर लागू किए गए नए नियम, ऑप्शंस कारोबार में आई गिरावट और बाजार हिस्सेदारी में कमी ने निवेशकों के सामने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वैल्यू रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, एनएसई के आईपीओ में सबसे बड़ी देरी वर्ष 2010 से 2014 के बीच सामने आए



चर्चित को-लोकेशन (Co-location) विवाद के कारण हुई। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि कुछ चुनिंदा ब्रोकर्स एनएसई के डेटा सेंटर में मौजूद बैकअप सर्वर से अन्य प्रतिभागियों की तुलना में पहले जुड़ जाते थे। इससे उन्हें बाजार संबंधी जानकारी कुछ मिलीसेकेंड पहले मिल जाती थी, जिससे ट्रेडिंग में अनुचित लाभ मिलने की आशंका जताई गई। बाद में हुई फॉरेंसिक जांच में इस तरह के पैटर्न की पुष्टि हुई, जिसके बाद

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (SEBI) ने विस्तृत जांच शुरू की।

एनएसई ने वर्ष 2016 में अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल कर आईपीओ की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लेकिन उस समय तक को-लोकेशन मामला पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ था। नियामकीय अनिश्चितता और लंबित जांच के कारण सेबी ने आईपीओ को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद यह मामला कई वर्षों तक विभिन्न कानूनी मंचों, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (SAT) और अंततः सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

इसी वजह से भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा माना जाने वाला यह आईपीओ लगातार टलता रहा। अब रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह विवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। एनएसई ने सेबी के समक्ष 1,491

करोड़ रुपये के संशोधित सेटलमेंट का प्रस्ताव रखा है। यदि नियामक इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो लंबे समय से अटका आईपीओ आगे बढ़ सकता है और निवेशकों के लिए शेयर बाजार का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम खुलने का रास्ता साफ हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 में आशीष चौहान की एनएसई में वापसी भी इस पूरी प्रक्रिया में एक अहम मोड़ साबित हुई। चौहान एनएसई की संस्थापक टीम का हिस्सा रह चुके हैं और बाद में उन्होंने बीएसई की वर्ष 2017 की सफल लिस्टिंग का नेतृत्व किया था। उनकी वापसी से न केवल एक्सचेंज की नियामकीय विश्वसनीयता मजबूत हुई, बल्कि आईपीओ से जुड़ी तैयारियों को भी नई गति मिली। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय से लंबित आईपीओ को दोबारा पटरी पर लाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

टी20 सीरीज: जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

## वैभव-रिंकू का मौका

## ● सैमसन बाहर



मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के

खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे

युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं।

दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरे स्थित हरे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं।

## जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्याश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बदलाव

## रेड्डी की जगह दुबे टीम में शामिल



## भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

कहा कि दुबे वनडे सीरीज के लिए भी वहीं रुकेंगे, क्योंकि रेड्डी अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं।

रेड्डी के रिहैबिलिटेशन के कारण उन्हें पहले ही आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और जिम्बाब्वे के विरुद्ध आगामी तीन मुकाबलों की सीरीज से बाहर कर दिया गया था। देवजीत सैकिया ने कहा, 'सिलेक्शन कमिटी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को चुना है।

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से पहले चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दुबे इंग्लैंड में जारी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को

## दीया मिर्जा के समर्थन में उतरीं ऋचा; ट्रोलर्स को दिया जवाब



एक्टर दीया मिर्जा को ऑनलाइन ट्रोल किया गया, जब उन्होंने एक घटना के बारे में बताया कि कैसे उनके 5 साल के बेटे अख्यान ने प्लास्टिक बैग में नारियल पानी लाने पर एक डिलीवरी एजेंट को डांटा। सोहा अली खान के पॉडकास्ट का विलप वायरल होने के बाद इंटरनेट पर कई लोगों ने दीया और उनके बेटे की आलोचना की और उन पर अहंकार दिखाने का आरोप लगाया। अब इस आलोचना के बीच एक्टर ऋचा चड्ढा दीया के समर्थन में सामने आई हैं। ऋचा ने एक्स पर एक यूजर द्वारा शेयर किए गए नोट को रीपोस्ट किया, जिसमें लिखा था कि दीया पर्यावरण के प्रति जागरूकता का उपदेश देती है और फिर अपनी जगहों पर कार में घूमती हैं। ऋचा ने जवाब में एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, 'आप लोग सोचते हैं कि एक्टर क्यों नहीं बोलते? कुछ करो तो बुरा, कुछ मत करो तो बुरा!

## मैंने कभी खुद को शर्मिला टैगोर का दामाद समझकर इंडस्ट्री में काम नहीं किया

अभिनेता और फिल्ममेकर कुणाल खेमु इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'अलायंस' को लेकर चर्चा में हैं। कुणाल ने हाल ही में उस सवाल का जवाब दिया, जो अक्सर उनसे पूछा जाता है। भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों में से एक का हिस्सा बनने के बाद क्या उन्हें कभी किसी तरह का दबाव या उम्मीदों का बोझ महसूस हुआ? इस पर कुणाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया। आईएनएस से खास बातचीत में सवाल का जवाब देते हुए कुणाल ने कहा, 'नहीं, मेरे लिए मेरी कला और मेरे भीतर का कलाकार सबसे ज्यादा मायने रखता है। यही मेरे लिए सबसे अहम है। सच कहूं तो मैंने कभी इस नजरिए से सोचा ही नहीं कि मैं शर्मिला टैगोर का दामाद हूं।' अगर मैं यह कहूं कि मैं इस बारे में सोचता हूं या इससे बचने की कोशिश करता हूं, तो यह झूठ होगा। यह बात मेरे दिमाग में रहती ही नहीं है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'मेरी क्रिएटिव जर्नी हमेशा एक्टिंग और फिल्ममेकिंग के प्रति मेरे पैशन से प्रेरित रही है। मैंने कभी इस बात को महत्व नहीं दिया कि मैं किस परिवार

का हिस्सा हूं। किसी कलाकार की असली पहचान उसके काम से बनती है, न कि उसके पारिवारिक रिश्तों से।'

बता दें कि कुणाल खेमु ने अभिनेत्री सोहा अली खान से 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। सोहा अली खान, दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर और दिवंगत क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी की बेटा हैं। कुणाल और सोहा की पहली मुलाकात साल 2009 में फिल्म 'दूबते रह जाओगे' के सेट पर हुई थी। वहीं से दोनों की दोस्ती शुरू हुई, जो बाद में प्यार में बदल गई। शादी के दो साल बाद, सितंबर 2017 में दोनों ने अपनी बेटी इनाया नौमी खेमु का स्वागत किया। दोनों अक्सर अपनी बेटी के साथ बिताए

खास पलों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं, जिन्हें फैंस भी काफी पसंद करते हैं।

## सीढ़ियां चढ़ना: बिना जिम के फिट रहने का आसान और असरदार तरीका

नई दिल्ली। भागदौड़ भरी जीवनशैली में नियमित व्यायाम के लिए समय निकालना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ सीढ़ियां चढ़ने को एक सरल, सुलभ और प्रभावी व्यायाम मानते हैं। यह न केवल शरीर को सक्रिय रखता है, बल्कि हृदय, फेफड़ों और मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में मदद करता है। विशेषज्ञों के अनुसार सीढ़ियां

चढ़ने से हृदय की कार्यक्षमता बेहतर होती है और शरीर की कैलोरी तेजी से खर्च होती है, जिससे वजन नियंत्रित रखने में सहायता मिलती है।

यह पैरों, जांघों और कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, संतुलन और सहनशक्ति बढ़ाता है तथा शरीर की ऊर्जा में भी सुधार करता है। नियमित रूप से सीढ़ियां चढ़ने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप

और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में भी मदद मिल सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि शुरुआत धीरे-धीरे करनी चाहिए। यदि किसी को घुटनों में दर्द, गंभीर हृदय रोग या सांस से जुड़ी समस्या है, तो सीढ़ियां चढ़ने का व्यायाम शुरू करने से पहले चिकित्सक से सलाह अवश्य लें। व्यायाम के दौरान आरामदायक जूते पहनें और आवश्यकता

से अधिक तेजी से सीढ़ियां चढ़ने से बचें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रतिदिन 10 से 15 मिनट भी नियमित रूप से सीढ़ियां चढ़ी जाएं, तो इससे शारीरिक क्षमता, हृदय स्वास्थ्य और मानसिक ताजगी में सकारात्मक सुधार देखा जा सकता है। छोटी-सी यह आदत लंबे समय में बेहतर स्वास्थ्य की मजबूत नींव बन सकती है।

## हवा में झूल रहा तीन मंजिला जर्जर मकान निगम ने ढहाया, राजबाड़ा में छज्जा गिरने से बढ़ी चिंता

इंदौर। लगातार हो रही बारिश के बीच शहर में जर्जर और खतरनाक भवनों का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम ने मंगलवार सुबह कलालकुई मस्जिद के समीप स्थित एक तीन मंजिला जर्जर मकान को सुरक्षा व्यवस्था के बीच ढहा दिया। वहीं दूसरी ओर राजबाड़ा क्षेत्र में सोमवार रात एक पुराने मकान का छज्जा अचानक गिर गया। हालांकि रात का समय होने से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घटना ने पुराने भवनों की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी

है। नगर निगम द्वारा मानसून के दौरान शहरभर में चिन्हित खतरनाक भवनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार अब तक 20 से अधिक जर्जर मकानों को तोड़ा जा चुका है। मंगलवार सुबह भी निगम की टीम विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई के लिए रवाना हुई, जिसमें पहली कार्रवाई कलालकुई मस्जिद के पास की गई। बताया गया कि यह तीन मंजिला मकान काफी समय से जर्जर अवस्था में था और उसका हिस्सा हवा में झूल रहा



था। निगम द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद मकान में रहने वाले परिवारों ने पहले ही अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर

लिया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एहतियातन दोनों ओर के मार्ग बंद कर दिए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

निगम की टीम ने पोकलेन और जेसीबी मशीनों की मदद से मकान को चरणबद्ध तरीके से गिराया। आसपास घनी आबादी और अन्य मकान होने के कारण विशेष सावधानी बरती गई, ताकि मलबा पड़ोसी भवनों पर न गिरे। संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। उधर, राजबाड़ा क्षेत्र में सोमवार देर रात एक पुराने मकान का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर आवाजाही नहीं थी, जिससे कोई

हताहत नहीं हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में कई पुराने भवन जर्जर स्थिति में हैं, जिनकी समय रहते जांच और मरम्मत या ध्वस्तीकरण आवश्यक है। नगर निगम अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई भवन जर्जर या खतरनाक स्थिति में दिखाई दे तो इसकी सूचना निगम को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर संभावित हादसों को रोका जा सके। मानसून के दौरान पुराने भवनों की निगरानी और ध्वस्तीकरण अभियान लगातार जारी रहेगा।

## बिना पंजीयन संचालित कैंसर अस्पताल की शिकायत, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश



जानकारी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय ने बताया कि देवी अहिल्या कैंसर हॉस्पिटल के नाम से कोई अस्पताल पंजीकृत नहीं है। इसके बावजूद अस्पताल के संचालन का आरोप लगाया गया है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि अस्पताल संचालक के विरुद्ध विभिन्न थानों में धोखाधड़ी के आधा दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। साथ ही शिकायतकर्ता ने सीएमएचओ पर कार्रवाई नहीं करने और अस्पताल को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया है।

**कलेक्टर ने जांच का दिया आश्वासन-** मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि एक अस्पताल के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है, जिसमें बिना वैध लाइसेंस के संचालन का आरोप लगाया गया है। शिकायत की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा, यदि जांच में शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित अस्पताल के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई भी गतिविधि अवैध पाई जाती है, तो उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई होगी।

### ● देवी अहिल्या कैंसर हॉस्पिटल पर लगे गंभीर आरोप, शिकायतकर्ता ने प्लेसह पर भी संरक्षण देने का आरोप लगाया

इंदौर। शहर में बिना पंजीयन संचालित किए जा रहे एक कथित कैंसर अस्पताल के खिलाफ सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायतकर्ता ने

चितावद स्थित देवी अहिल्या कैंसर हॉस्पिटल पर पिछले करीब 10 वर्षों से बिना वैध पंजीयन के संचालन का आरोप लगाते हुए जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता चर्चित शास्त्री के अनुसार अस्पताल एक तीन मंजिला भवन में संचालित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल के संचालक अजय हाडिया के पास चिकित्सक की वैध डिग्री नहीं है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि अस्पताल में मरीजों से प्रतिदिन लगभग 80 हजार रुपये तक बेड शुल्क लिया जाता है तथा कैंसर के इलाज के नाम पर लोगों से कथित रूप से ठगी की जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त

## इंदौर में 10 हजार गौवंश के लिए तैयार हो रही प्रदेश की सबसे बड़ी गौशालाओं में से एक महापौर ने किया निरीक्षण



**इंदौर।** शहर में बेसहारा गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए नगर निगम द्वारा आशापुरा में तैयार की जा रही प्रदेश की सबसे बड़ी गौशालाओं में शामिल परियोजना अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने मंगलवार को गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान एमआईसी सदस्य निरंजन चौहान

(गुड्डू), मध्यप्रदेश गौ सेवक स्वामी अच्युतानंद, अपर आयुक्त मनोज पाठक, नगर निगम के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि नगर निगम पहले परिषद क्षेत्र स्थित रेशम केंद्र के सामने संचालित गौशाला में करीब 600 गौवंश का संरक्षण करता था। आज निगम की विभिन्न गौशालाओं में 2,500 से

अधिक गौवंश का सर्वसुविधा युक्त वातावरण में पालन-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सहयोग से आशापुरा क्षेत्र में करीब 80 बीघा भूमि उपलब्ध कराई गई, जहां जनभागीदारी के माध्यम से रिकॉर्ड समय में 10 हजार गौवंश की क्षमता वाली आधुनिक गौशाला तैयार की जा रही है। निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही इसका लाभ शहर के बेसहारा गौवंश को मिलेगा। महापौर ने कहा कि इंदौर को स्वच्छ बनाए रखने के साथ-साथ गौसंरक्षण भी नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। आशापुरा गौशाला तैयार होने के बाद बेसहारा गौवंश को सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाओं वाला स्थायी आश्रय मिलेगा। उन्होंने परियोजना को रिकॉर्ड समय में मूर्त रूप देने के लिए मध्यप्रदेश गौ सेवक स्वामी अच्युतानंद, नगर निगम के अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी की टीम की सराहना की।

## बायपास की बजाय रहवासी इलाकों से गुजर रहीं लंबी दूरी की बसें, यातायात नियमों की उड़ रही धज्जियां

इंदौर। रिंग रोड पर बढ़ते यातायात दबाव और निर्माण कार्यों के चलते यातायात पुलिस ने लंबी दूरी की बसों के आवागमन को बायपास मार्ग तक सीमित करने के निर्देश दिए थे, ताकि शहर के भीतर यातायात सुचारू बना रहे। इसके बावजूद कई बस चालक नियमों की अनदेखी कर बायपास के बजाय शहर के रहवासी क्षेत्रों से बसें निकाल रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देवास नाका की ओर जाने वाली कई स्लीपर बसें स्टार चौराहे से एडवांस एकेडमी (कोकिलाबेन हॉस्पिटल क्षेत्र) होते हुए तुलसी नगर, महालक्ष्मी नगर मैदान मार्ग से बाँम्बे हॉस्पिटल चौराहे तक पहुंच रही हैं। यह मार्ग घनी आबादी वाला है, जहां पहले से ही वाहनों का अत्यधिक दबाव रहता है। ऐसे में भारी बसों की आवाजाही से जाम और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार शाम के समय

जब ये बसें कोकिलाबेन हॉस्पिटल के पास स्थित कट से मुड़ती हैं, तब सबसे अधिक परेशानी होती है। यह सड़क पहले से ही संकरी है और किनारे निर्माण कार्य भी चल रहा है। ऐसे में स्लीपर बसें लगभग पूरी सड़क घेर लेती हैं, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के निकलने तक की जगह नहीं बचती। इसी तरह तुलसी नगर पुलिया क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क पर भी भारी वाहनों के कारण यातायात बाधित होता है और अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। **बाँम्बे हॉस्पिटल नो-एंट्री पॉइंट पर भी नहीं रुक रहीं बसें-** नियमों के अनुसार इन बसों को स्टार चौराहे से सीधे बायपास मार्ग का उपयोग करना चाहिए, लेकिन अधिक सवारियां लेने और छोड़ने के उद्देश्य से कई बस चालक शहर के अंदर प्रवेश कर रहे हैं। रेडिसन चौराहे तक तो कुछ हद तक निगरानी रहती है, लेकिन बाँम्बे हॉस्पिटल चौराहे पर नो-एंट्री पॉइंट होने के बावजूद इन बसों की आवाजाही पर

प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। प्रतिबंध लागू होने के बावजूद बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से नियमों का उल्लंघन लगातार जारी है। देर शाम के अलावा अलसुबह भी रेडिसन चौराहे पर एक साथ पांच से छह लंबी दूरी की बसें रुककर सवारियां उतारती और चढ़ाती हैं। इसी समय स्कूल बसों, कार्यालयों की स्टाफ बसों और अन्य वाहनों की आवाजाही भी अधिक रहती है, जिससे यातायात जाम की स्थिति बन जाती है। स्थिति को और गंभीर आँटो, ई-रिक्शा और टैक्सी चालक बना देते हैं। सवारियां लेने की होड़ में कई वाहन चालक रॉन्ग साइड तक से आने से नहीं चूकते, जिससे दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। स्थानीय रहवासियों ने यातायात पुलिस से मांग की है कि नो-एंट्री और बायपास संबंधी नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा नियम तोड़ने वाली बसों और अन्य वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

## 25 करोड़ का पुल, फिर भी जनता परेशान: बिना लोकार्पण खोला गया रेती मंडी ब्रिज का आधा हिस्सा

इंदौर। तीन साल से निर्माणाधीन और करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे राजेंद्र नगर-रेती मंडी ब्रिज को आखिरकार प्रशासन ने बिना किसी औपचारिक लोकार्पण के ट्रैफिक के लिए खोल दिया। यह फैसला किसी योजना का हिस्सा नहीं, बल्कि लगातार लग रहे जाम और जनता के बढ़ते आक्रोश के दबाव में लिया गया कदम माना जा रहा है। पिछले चार दिनों से हो रही बारिश ने सर्विस रोड की बहाल स्थिति उजागर कर दी। बड़े-बड़े गड्ढों, जलभराव और घंटों लंबे ट्रैफिक जाम ने वाहन चालकों का सब्र तोड़ दिया। कई किलोमीटर लंबी कतारों में फंसे लोगों को राहत देने के लिए लोक निर्माण विभाग ने जल्दबाजी में ब्रिज की एक भुजा ट्रैफिक के लिए खोल दी। फिलहाल राऊ से राजेंद्र नगर की ओर जाने वाले वाहन इस पुल का उपयोग कर रहे हैं, जबकि दूसरी दिशा का ट्रैफिक अब भी सर्विस रोड के भरोसे है। हरानी की बात यह है कि जिस पुल को जनता की सुविधा के लिए बनाया गया, उसका काम आज भी अधूरा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार दूसरी भुजा शुरू होने में अभी चार महीने और लग सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 25 करोड़ रुपये खर्च होने और तीन साल तक निर्माण चलने के बावजूद आखिर ऐसी क्या चूक हुई कि पुल का डिजाइन और निर्माण बीच में बदलना पड़ा? जानकारी के मुताबिक एक तरफ केवल एक पिलर बनाकर पुल उतारा गया था, लेकिन बाद में अधिकारियों को महसूस हुआ कि इससे जाम की समस्या खत्म नहीं होगी। इसके बाद दूसरा पिलर बनाने का निर्णय लिया गया। यानी योजना और डिजाइन में गंभीर खामियों का खामियाजा अब जनता भुगत रही है। सूत्रों के अनुसार निर्माण शुरू होने से पहले आवश्यक स्ट्रक्चरल ऑडिट तक नहीं कराया गया, जिसके कारण बाद में तकनीकी बदलाव करने पड़े। इतना ही नहीं, दस नंबर रेलवे क्रॉसिंग की ओर बनी भुजा में भी निर्माण संबंधी त्रुटियां सामने आईं, जिन्हें अब सुधारा जा रहा है। स्थिति यह है कि जिस पुल का उद्घाटन होना चाहिए था, उसे बिना फीता काट और बिना पूरी तरह तैयार हुए ट्रैफिक के लिए खोलना पड़ा। इससे साफ है कि विभागीय दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। अब सवाल यह है कि 25 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी जनता को अधूरा पुल क्यों मिला? निर्माण में हुई तकनीकी गलतियों के लिए जिम्मेदार कौन है? और क्या इन चूकों की जवाबदेही तय होगी या फिर हमेशा की तरह जनता ही इसकी कीमत चुकाती रहेगी।